Popular Front of India

+91 11 2 9949902
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/Pfiofficial

प्रेस रिलीज़

31 दिसंबर 2019
नई दिल्ली

पॉपुलर फ्रंट ने यूपी पुलिस के आरोपों को बताया बकवास, दमनकारी कार्यवाहियों की चेतावनी की नींदा

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव एम. मोहम्मद अली जिन्ना ने अपने एक बयान में, संगठन के बारे में यूपी पुलिस के आरोपों को बकवास और अपने किरदार पर पर्दा डालने वाला अमल बताया है।

विभाजनकारी तथा संविधान–विरोधी नागरिकता संशोधन क़ानून के ख़िलाफ होने वाला देशव्यापी विरोध प्रदर्शन आज़ादी के बाद के सबसे बड़े प्रदर्शनों में से एक है। देशभर में लोग इस क़ानून के ख़िलाफ इकट्ठे होकर शहरों और गांवों में सड़कों पर उतर रहे हैं। केवल बीजेपी शासित राज्यों में ही इन प्रदर्शनों को हिंसक बताकर उन्हें दबाने की कोशिश की जा रही है। जबकि अधिकतर राज्यों में पुलिस ने जनता के विरोध के लोकतांत्रिक अधिकार का सम्मान किया है। केवल योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाले उत्तर प्रदेश राज्य में, पुलिस ने हटधर्मी दिखाते हुए प्रदर्शनों को खून–खराबे और तबाही में बदल दिया। हाल की रिपोर्ट के अनुसार, यूपी पुलिस चीफ ने यह बताया है कि उत्तर प्रदेश राज्य ने केंद्र से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। हम इस क़दम की निंदा करते हैं, जो कि 'अपने किरदार पर पर्दा डालने' के सिवा कुछ नहीं है। हम उन्हें यह बताना चाहते हैं कि उनका खून–ख़राबा, निर्दोषों को प्रताड़ित करना और उनकी जायदादों को नुकसान पहुंचाना पूरी दुनिया की नज़रों के सामने है। वहां जो कुछ भी हुआ या हो रहा है उसे देश का बच्चा–बच्चा जानता है। देश की लोकतांत्रिक चेतना उन्हें उनके अपराधों की क़ीमत चुकाने पर ज़रूर मजबूर करेगी।

पॉपुलर फ्रंट के खिलाफ उपरोक्त कार्यवाही, राज्य में लोकतांत्रिक गतिविधियों के ख़िलाफ योगी की पुलिस का एक और तानाशाही क़दम है। देश की सभी लोकतांत्रिक ताक़तों को चाहिए कि वे आगे बढ़कर इसके ख़िलाफ आवाज़ उठाएं। हम इस राजनीतिक इंतक़ाम के ख़िलाफ क़ानूनी एवं लोकतांत्रिक तरीक़ों से लड़ाई लड़ेंगे।

डॉ. मोहम्मद शमून
डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली